Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

D–6008

PAPER–III

BUDDHIST, JAINA, GANDHIAN & PEACE STUDIES

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **48** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

BUDDHIST, JAINA, GANDHIAN AND PEACE STUDIES

बौद्ध, जैन, गांधीवादी एवं शान्ति अध्ययन

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्न-पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and carries five (5) marks. **(5x5=25 marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है। **(5x5=25 अंक)**

Read the given passage carefully and answer the undernoted 5 (five) questions, each in 30 words.

(This Passage is common to all specializations.)

Another trouble with this world is that we are unable to objectively decide our necessities. What is the duration of our life, which is the path for self-development and which are the means that we need for a comfortable living ? Generally, we do not think about these issues. We try to accumulate as much as possible by fair or foul means so that our next seven generations may live in luxury. *Mahāvīra* has called this race for possessions as a kind of intoxicated stupor-*mūrcchā parigrahaḥ*. Everyone is racing blindly in this rat race for more and more possessions that one may not utilise even for a moment. Actually, one is so busy accumulating that one hardly has any time left for enjoying the possessions so accumulated at considerable effort. Another thing about possessions is the problem of obsolescence. The world is changing so fast that by the time one gets holds of a certain item and finds time to use it, it becomes obsolete and one is tempted to replace it with another more modern, more fashionable and more technical item. Therefore, in this world neither one is happy with one's possessions nor any country is satisfied with its immense wealth.

दिये गए अनुच्छेद को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे दिए गए पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में प्रति उत्तर लिखिए।

(यह अनुच्छेद सभी प्रमुख विषयों के लिए समान है।)

इस विश्व की दूसरी समस्या यह है कि हम वास्तविक आवश्यकताओं को निश्चित करने में असमर्थ हो जाते हैं। हमारे जीवन की अवधि क्या है, हमारी आत्मा के विकास का मार्ग क्या है और सुखपूर्वक जीवन-यापन की आवश्यकताओं

की पूर्ति के साधन क्या हैं? सामान्यतया हम इन प्रश्नों पर विचार नहीं करते। हम उचित या अनुचित साधनों से इतना अधिक संग्रह कर लेने का प्रयत्न करते हैं कि हमारी आगामी सात पीढ़ियाँ भौतिक सुख-सुविधा से जी सकें। भगवान् महावीर ने इस अनावश्यक परिग्रह की दौड़ को एक प्रकार की बेहोशी कहा है - *मूर्च्छापरिग्रहः* -। हर व्यक्ति अंधा होकर इस अधिक से अधिक संग्रह करने की चूहा-दौड़ में दौड़ रहा है, भले ही वह इस संग्रह का एक क्षण के लिए भी उपयोग न कर पाये। वास्तव में, व्यक्ति संग्रह करने में इतना व्यस्त है कि उसके पास इतना समय ही नहीं बचता कि वह उस साधन-सामग्री का उपयोग कर आनन्द ले, जिसे उसने बड़े प्रयत्नों से एकत्र किया है। दूसरी बात, इस संग्रहीत परिग्रह की एक समस्या उसका पुराना पड़ जाना है। यह विश्व इतनी तेजी से बदल रहा है कि व्यक्ति जब तक अपने सुख-साधनों को एकत्र कर उनके उपयोग करने का समय निकालता है तब तक वे साधन (वस्तुएँ)अप्रचलित हो जाते हैं तब मजबूरन वह व्यक्ति उन संग्रहीत वस्तुओं को अत्याधुनिक, अधिक आकर्षक और अधिक यन्त्रप्रधान साधनों से बदल देना चाहता है। इस कारण इस विश्व में न तो कोई व्यक्ति अपने परिग्रह से सुखी है और न कोई देश अपनी अत्यधिक सम्पदा से।

1. Give suitable heading of the above passage.
उपर्युक्त अनुच्छेद का समुचित शीर्षक दीजिए।

2. What are the issues, which are not considered by men ? Explain.

व्यक्ति किन प्रश्नों पर विचार नहीं करता? स्पष्ट करें।

3. What technical word has been given by Lord Mahavira to the race for possessions ? Clarify.

भगवान् महावीर ने परिग्रह की दौड़ को किस पारिभाषिक शब्द से व्यक्त किया है, स्पष्ट करें।

4. What is the other problem of needless possessions ? Explain.
अनावश्यक संग्रह की अन्य समस्या क्या है, स्पष्ट करें।

5. Why this world is not happy with luxury things ? Clarify.
वैभवपूर्ण वस्तुओं से यह विश्व क्यों सुखी नहीं है, स्पष्ट करें।

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। **(5x15=75 अंक)**

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

6. What is the importance of third Buddhist council ?

तीसरी बौद्ध संगीति का महत्त्व क्या है?

OR / अथवा

Write a brief note on Lord Ṛṣabhadeva.

भगवान् ऋषभदेव पर एक टिप्पणी लिखें।

OR / अथवा

What was the influence of Putlibai on M.K. Gandhi during his childhood ?

एम.के. गान्धी के बचपन में माता पुतलीबाई का क्या प्रभाव था?

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

7. Explain the term "Hinayana".

'हीनयान' शब्द को स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

What is the significance of Valbhi Vachana ?

वलभी वाचना का क्या महत्त्व है?

OR / अथवा

Why did Gandhi go to South Africa for the first time ?

गान्धीजी प्रथम बार दक्षिणी अफ्रीका क्यों गए थे?

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

8. Write a note on 'Jodo' Buddhist school.

'जोडो' बौद्ध सम्प्रदाय पर एक टिप्पणी लिखें।

OR / अथवा

Write a note on Uttarādhyāyanasūtra.

उत्तराध्ययनसूत्र पर एक टिप्पणी लिखें।

OR / अथवा

Define Gandhi's view of God.

गान्धीजी के मतानुसार ईश्वर की परिभाषा दीजिए।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

9. What do you know about Dhammapada ?
धम्मपद के विषय में आप क्या जानते हैं?

OR / अथवा

What is the subject-matter of Niyamasāra ? Explain.
'नियमसार' की विषयवस्तु क्या है? स्पष्ट करें।

OR / अथवा

Why did Gandhi shift from 'God is Truth' to 'Truth is God' ?
'ईश्वर सत्य है' से 'सत्य ही ईश्वर है' कथन में गान्धीजी ने बदलाव क्यों किया?

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

10. Write the name of the texts of Dharmakirti.

धर्मकीर्ति की रचनाओं के नाम लिखिए।

OR / अथवा

What do you know about the L.D. Institute of Indology ? Write.

'एल.डी. इन्स्टीट्यूट आफ इण्डोलाजी' के विषय में आप क्या जानते हैं? लिखें।

OR / अथवा

What are Gandhi's views on State ?

राज्य के विषय में गान्धीजी के क्या विचार हैं?

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

11. What is Pajñā ? Explain in brief.

'प्रज्ञा' क्या है, संक्षेप में समझाइए।

OR / अथवा

Explain Satya Vow according to Jainism.

जैनधर्म के अनुसार सत्य व्रत को स्पष्ट करें।

OR / अथवा

"Performance of duties leads to achieve the rights". Comment.

''कर्त्तव्यपालन ही अधिकारों की प्राप्ति में सहायक होते हैं।'' - टिप्पणी कीजिए।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

12. Explain the four Noble Truth.

चार आर्य सत्यों की व्याख्या करें।

OR / अथवा

Write the definition of substance according to Jainism.

जैनधर्म के अनुसार 'द्रव्य' की परिभाषा दें।

OR / अथवा

Define Sarvodaya.

सर्वोदय की परिभाषा दीजिए।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

13. Write the name of Ārya Aṣṭāṅgikamārga.

आर्य अष्टांगिकमार्ग के नाम लिखो।

OR / अथवा

Define the 'Jīva' according to Jainism.

जैनधर्म के अनुसार 'जीव' की परिभाषा दें।

OR / अथवा

Explain Gandhi's views on Religion.

धर्म के विषय में गान्धीजी के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

14. Explain the term 'Pratītyasamutpāda'.

'प्रतीत्यसमुत्पाद' पद को स्पष्ट कीजिए।

OR / अथवा

What is the 'Samyag-Darshana' ? Explain.

'सम्यग्दर्शन' क्या है, समझाईए।

OR / अथवा

What is an ideal society according to Gandhi ? Explain.

गान्धीजी के अनुसार आदर्श समाज क्या है? स्पष्ट कीजिए।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

15. 'Taṇhākhayaṁ Nibbānaṁ' explain briefly.

'तण्हाखयं निब्बानं' की संक्षेप में व्याख्या करें।

OR / अथवा

Write the names of seven fundamentals.

सप्त पदार्थों के नाम लिखिए।

OR / अथवा

Does Gandhi believe in Varnashram Dharma ? Comment.

क्या गान्धीजी वर्ण आश्रम धर्म में विश्वास रखते हैं? - टिप्पणी कीजिए।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

16. Write a note on Sānchistūpa.

साँची स्तूप पर टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Define the Anekāntavāda.

अनेकान्तवाद को परिभाषित कीजिए।

OR / अथवा

What is true civilization according to Gandhi ?

गान्धीजी के अनुसार सच्ची सभ्यता क्या है?

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

17. Write a note on earliest Buddha image.

प्राचीनतम बुद्ध-मूर्ति पर टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

What are the five kinds of Knowledge ? Explain.

पाँच प्रकार के ज्ञान कौन-से हैं? स्पष्ट करें।

OR / अथवा

Define the concept of Swadeshi.

स्वदेशी की अवधारणा की परिभाषा दीजिए।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

18. What is Sammā Diṭṭhi ? Explain.

'सम्मादिट्ठी' क्या है, समझाईए।

OR / अथवा

Write a short note on Ellora Jaina cave.

ऐलोरा जैन गुफा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Define Peace.

शान्ति की परिभाषा दीजिए।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

19. Write a short note on Āmrapāli.

'आम्रपाली' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

OR / अथवा

Write a story of Chandanabālā in brief.

चन्दनबाला की कथा संक्षेप में लिखें।

OR / अथवा

Define Non-violent Ecology.

अहिंसक परिस्थिति-विज्ञान की परिभाषा दीजिए।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

20. What is the significance of Buddhism to society ? Explain.

समाज के लिए बौद्ध धर्म का क्या महत्व है, स्पष्ट करें।

OR / अथवा

Write a short note on Āhāra-Dāna.

आहार-दान पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Explain the Nature of Violence.

हिंसा की प्रकृति को स्पष्ट कीजिए।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

21. Describe the life of Lord Buddha.
भगवान् बुद्ध के जीवन पर प्रकाश डालिए।

OR / अथवा

Write a brief note on main teachings of Lord Mahavira.
भगवान् महावीर की प्रमुख शिक्षाओं पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Write a brief note on "as the means so the end".
''जैसे साधन वैसा साध्य'' पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए।

Answer the question according to your specialization.
अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

22. Discuss the origin and development of Buddhism in Northern India.
उत्तर-भारत में बौद्ध धर्म के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

OR / अथवा

Write a note on main schools of Jainism.
जैनधर्म के प्रमुख सम्प्रदायों पर एक टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

"Politics without principles is a social sin". Explain.
''सिद्धान्त-विहीन राजनीति एक सामाजिक पाप है।'' स्पष्ट कीजिए।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

23. Give brief account of the Vinayapiṭaka.

'विनयपिटक' का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

OR / अथवा

Explain the six substances according to Jainism.

जैनधर्म के अनुसार षड्द्रव्यों की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Write a short note on Gandhi's views on Human Rights.

मानव अधिकारों पर गान्धीजी के विचारों पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

24. What do you know about the Mahāyāna Philosophy ? Explain.

महायान-दर्शन के सम्बन्ध में आप क्या जानते हैं, व्याख्या करें।

OR / अथवा

Write a short note on the path of salvation in Jainism.

जैनधर्म के अनुसार मोक्ष के मार्ग पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

Explain Gandhi's stand on Large Scale Industrialization.

विशाल पैमाने पर उद्योगिकीकरण के सम्बन्ध में गान्धीजी के पक्ष को स्पष्ट कीजिए।

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

25. Discuss the main features of the Gandhara Art.

गांधार-कला की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

OR / अथवा

Write a short note on Jaina Temples of Khajuraho.

खजुराहो के जैन-मंदिरों पर एक संक्षिप्त टिप्पण लिखिए।

OR / अथवा

What is meant by Universal Comprehensive Disarmament ? Explain.

सार्वभौम समग्र नि:शस्त्रीकरण का क्या अर्थ है? स्पष्ट कीजिए।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any one of the following topics.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

Answer the question according to your specialization.

अपने विशेष प्रमुख विषय के अनुसार प्रश्नों का उत्तर दें।

BUDDHIST STUDIES / बौद्ध अध्ययन

26. Describe in detail the subject-matter of main texts of Suttapiṭaka.

सुत्तपिटक के प्रमुख ग्रन्थों की विषयवस्तु का विस्तार से विवेचन कीजिए।

OR / अथवा

Explain in detail the Ārya-Aṣṭāñgikamārga

आर्य अष्टांगिकमार्ग की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

JAINA STUDIES / जैनधर्म अध्ययन

Describe in detail the subject-matter of Ācārānga, Sūtrakṛtānga, Jñātādharmakathā and Vipāksūtra.

आचारांग, सूत्रकृतांग, ज्ञाताधर्मकथा और विपाकसूत्र की विषयवस्तु का विस्तार से विवेचन करें।

OR / अथवा

Explain the concept of Anekāntavāda and Syādvāda.

अनेकान्तवाद और स्याद्वाद के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

Discuss some of the historical and significant experiments and experiences of Gandhi's life in South Africa.

दक्षिणी अफ्रीका में गान्धीजी के जीवन से सम्बन्धित कुछ ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण प्रयोगों और अनुभवों का वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

Examine Mahatma Gandhi's approach to establish world peace. What is its significance ?

विश्व शान्ति की स्थापना के लिये महात्मा गान्धी द्वारा अपनाये गए मार्ग का परीक्षण कीजिए। इसका क्या महत्व है?

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....